लॉस □जलिसि□ हल्दी में पाया जाने वाला करक्यूमनि नाम का पदार्थ समय से पहले पैदा होने वाले शशिुओं के फेफ्ड़ों के संभावति जानलेवा नुक्सान से उनकी रक्षा कर सक्ता है□ भारतीय मूल के □क वैज्ञानकि के नेतृत्व में कि□ ग□ □क अध्ययन में इस बात का दावा कयिा गया है□

ऐसा माना जाता रहा है कि मसालेदार करी व्यंजनों में डाली जाने वाली हल्दी में औषधीय गुण होते हैं□

समय से पहले पैदा होने वाले शशिुओं को अक्सर वेंटलिटर और ऑक्सीजन थेरेपी की मदद की जरूरत होती है क्योंकि उनमें फेफ्ड़े सही तरह से काम नहीं करते□

लेकनि इस उपचार से शशिुओं के फेफ्ड़ों को नुक्सान पहुंच सक्ता है और उनकी मौत भी हो सक्ती है□

हार्बर-यूसी□ल□ मेडकिल सेंटर के लॉस □जलिसि बायोमेडकिल रसिर्च इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने बीमारी के मॉडलों का इस्तेमाल कर पाया कि करक्यूमनि से इस तरह के नुक्सान से लंबे समय के लि□ बचाव हो सक्ता है□

अमेरकिन जर्नल ऑफ फजियिोलॉजी में प्रकाशति कि□ ग□ इस अध्ययन में पाया गया कि करक्यूमनि से ब्रांकोपलमोनरी डस्प्लिेसयिा :बीडीपी: से रक्षा हो सक्ती है□ बीडीपी के तहत जन्म के 21 दनिों तक फेफ्ड़ों से होते हु□ बहुत अधकि ऑक्सीजन शरीर में आ जाता है□

शोधकर्ता दल के प्रमुख वीरेंदर के रेहन ने कहा, ''यह अध्ययन समय से पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों के फेफ्ड़ों की रक्षा करने में करक्यूमनि से होने वाले दीर्घकालीन लाभों का पता लगाने से जु□ा है□''

उन्होंने कहा, ''करक्यूमनि में □टीऑक्सीडेंट, ज्वलन वरिोधी समेत कई गुण होते हैं□ इससे यह समयपूर्व पैदा होने वाले बच्चों, जन्हिें ऑक्सीजन थेरेपी की जरूरत होती है, के लि□ □क सही उपचार है□''

भाषा